

जो भजे हरि को सदा सोही परम पद पावेगा

जो भजे हरि को सदा, सोही परम पद पावेगा ।

देह के माला, तिलक और छाप, नहीं किस काम के,
प्रेम भक्ति बिना नहीं नाथ के मन भावे ।

दिल के दर्पण को सफा कर, दूर कर अभिमान को,
खाक को गुरु के कदम की, तो प्रभु मिल जायेगा ।

छोड़ दुनियाँ के मजे सब, बैठ कर एकांत में,
ध्यान धर हरि का, चरण का, फिर जनम नही आयेगा ।

द्रिड भरोसा मन मे करके, जो जपे हरि नाम को,
कहता है ब्रह्मानंद, बीच समाएगा ।

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/51/title/jo-bhaje-hari-ko-sada-sohi-param-pad-paavega>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले ।